(ख) क्या मख्य मंत्री अथवा राज्य सरकार के मत्री न भी केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है कि सट्टेबाजी को जारी रखने की अनुमति दी जाये, यदि हां, नो उनके नाम क्या है ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) माननीय मदस्य सम्भवत: संसद् मदस्य श्री डी० डी० पटेल तथा 29 अन्य मंसत्सदस्यों के (सब के हस्ताक्षर पढ़े नही जाते) के उम अभ्यावेदन की ओर निर्देश कर रहे है जो अलसी, रेंडी के बीज तथा चांदी में वायदे के सौदों को अवधि रूप से जारी रखने के बारे में था। वायदा व्यापार अर्थ व्यवस्था में कतिपय विशेष परिस्थितियों में कुछ उपयोगी भूमिका अदा करता है और वह सटटा व्यापार के समकक्ष नही माना जा सकता जैसा कि आम तौर पर ममझा जाता है।

(ख) जी नही।

भारतीय हथकरघा पोशाकों के लिये विदेशी बाजार

2414. **श्री एस० एस० सोमानी** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय हथकरघा पोशाकों के लिए विदेशी बाजारों का पता लगाने हेतु सरकार ने प्रयास किये हैं;

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशों मे किन-किन कपड़ों के निर्यात की सम्भावना पाई गई है; और

(ग) हथकरघे के किन-किन कपड़ों के लिए चालू वित्त वर्ष में, किस-किस देश से क्रयादेश प्राप्त हुये हैं और उससे कितनी विदेशी मुद्रा की आय होगी ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी हां। भारतीय हथकरघा परिधानो के लिये बाजारों का पता लगाने के उद्देश्य से किये गए कुछ महत्वपूर्ण उपायों मे निम्नोक्त उपाय शामिल है :

(i) विश्व के प्रमुख शहरों मे प्रदर्शनियां आयोजित की गई;

(ii) निर्यात बढ़ाने की सम्भावनाओं के बारे में आयातकों के साथ बातचीत करने के लिये अध्ययन दल महत्वपूर्ण बाजारों को भेजे गये;

(iii) हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद् ने विदेशों मे विशेष प्रचार अभियान चलाये।

(ख) कमीजें तथा ब्लाउज ऐसी हथकरघा पोशाकों की प्रमुख मदें हैं जिनकी भारत से निर्यात की काफी गुंजाइश है। जिन देशों को ये निर्यात की जा रही हैं, वे हैं : सं० रा० अमरीका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, सोवियत-संघ, यूरोपीय आर्थिक समुदाय के राज्य, स्वीडन, नार्वे, स्विटजरलैण्ड, नाइजीरिया, सिंगापुर, जापान, ईराक, कुवैत, बहरीन, मलयेशिया।

(ग) पोशाकों के निर्यात के लिये संविदाएं पंजीकृत नहीं की जातीं। अत: यह पता नहीं लगाया जा सकता कि प्राप्त हुए आर्डर की मात्रा कितनी है। फिर भी, अप्रैल सितम्बर, 1977 के दौरान हथकरघा परिधानों के निर्यातों का अनुमान 43 करोड़ रुपये है।